Medhavikritam Mrityunjayamahadeva Stava

मेधावीकृतं मृत्युञ्जयमहादेवस्तवः

Document Information

Text title : Medhavikrita Mrityunjayamahadeva Stava

File name : mRRityunjayamahAdevastavaHmedhAvI.itx

Category : shiva, shivarahasya, stava

Location : doc_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyaH saptamAMshaH | adhyAyaH 16 | 263-287||

Latest update : April 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

April 28, 2024

sanskritdocuments.org

मेधावीकृतं मृत्युञ्जयमहादेवस्तवः

मेधाव्युवाच -
जय विश्वोत्तम श्रीमन् जय भक्तजनप्रिय ।
जय शैवोत्तमाराध्य जय पञ्चमुखानघ ॥ २६३॥

जय निष्कल कामारे जय निर्मल निर्गुण ।
जय शान्त महादेव जय शङ्कर शाश्वत ॥ २६४॥

जय भस्मोद्धूलिताङ्ग जय रुद्राक्षभूषण ।
जय शम्भो सुराधीश जय सर्वामरार्चित ॥ २६५॥

जय भानुगुणाकार जय चन्द्रकलाधर ।
जयानेकगुणाकार जयानेकगुणाश्रय ॥ २६६॥

जय पुण्यैकनिलय जय लिङ्गार्चनप्रिय ।
जय भक्तैकमन्दार जय बिल्वदलप्रिय ॥ २६७॥

जय यज्ञफलाकार जय यज्ञफलप्रद ।
जय श्रीमङ्गलाकार जय श्रीमंङ्गलप्रद ॥ २६८॥

जयोग्र जय पापारे जय भूतेश्वर प्रभो ।
जय भीम भवावेद्य भयवैद्याऽभयप्रद ॥ २६९॥

जय श्रीकण्ठ सर्वज्ञ जय सर्पविभूषण ।
जय मण्डितसर्वाङ्ग जय भक्तार्तिभञ्जन ॥ २७०॥

जय भर्ग महेशान जय सर्वशिवप्रिय ।
जय ब्रह्मादिवन्द्याङ्घ्रे जय ब्रह्मादिपूजित ॥ २७१॥

जय श्रीविष्णुनेत्राब्जपूजिताङ्घ्रिसरोरुह ।
जय मृत्युञ्जयानन्त जय मृत्युहराव्यय ॥ २७२॥

जय गौरीपते ब्रह्मन् जय शङ्कर शाश्वत ।

जय विश्वैकवन्द्याङ्घ्रे जय शूलवरप्रिय ॥ २७३॥

जय मन्मथकालाग्ने जय कालहरानघ ।
जय पिङ्गजटाजूट जय भस्मविभूषण ॥ २७४॥

जय त्रिलोचनामेय जयाहिकृतकङ्कण ।
जय कल्याणनिलय जय कल्याणदायक ॥ २७५॥

जय शैवजनाधार जय शैवजनप्रिय ।
जयोज्ज्वलल्ललाटाक्ष जय श्रीवृषभध्वज ॥ २७६॥

जय चिद्धन चिद्रूप जय देवशिखामणे ।
जय कर्पूरगौराङ्ग जय शाश्वत सर्वग ॥ २७७॥

जय सर्वकराशास्य जय स्थितिकराश्रय ।
जयाप्रधृष्य निर्लिप्त निरञ्जन निरामय ॥ २७८॥

जयाऽखण्डमयाकार जय श्रीचन्द्रशेखर ।
जय वेदान्तवेद्येश जय मङ्गलविग्रह ॥ २७९॥

जयामितप्रभावाढ्य जयागण्यगुणालय ।
जय सर्वागमस्तव्य जय सर्वागमप्रिय ॥ २८०॥

जय रुद्र जयोमेश जयोत्कृष्ट जयेश्वर ।
जयासङ्ग जयाराध्य जय सर्वोत्तमोत्तम ॥ २८१॥

जयानाथैकशरण शरण्यपदपङ्कज ।
जय पञ्चाक्षराकार जय पञ्चाक्षरप्रिय ॥ २८२॥

जय गौरीप्रियानन्त जयपूर्णमणोरथ ।
जयोङ्कारमयाकल्प जय सर्वात्मक प्रभो ॥ २८३॥

जय कुन्देन्दुधवल जय ब्रह्मपितामह ।
जय षण्मुखनन्दीशगणनाथादिसेवित ॥ २८४॥

जय चिन्मय चिन्मूर्ते जयानन्दमयादिम ।
जय निर्मम निर्द्वन्द्व निरीह निरुपाधिक ॥ २८५॥

प्रसीद प्रसीद प्रभो चन्द्रमौले
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारे ।
प्रसीद प्रसीद प्रभो शूलपाणे

प्रसीद प्रसीद प्रभो मृत्युमृत्यो ॥ २८६॥

प्रसीद प्रसीद प्रभोऽनाथबन्धो
प्रसीद प्रसीद प्रभो पुण्यसिन्धो ।
प्रसीद प्रसीद प्रभो दिव्यबन्धो
प्रसीद प्रसीद प्रभो विश्वहेतो ॥ २८७॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते मेधावीकृतं मृत्युञ्जयमहादेवस्तवः सम्पूर्णम् ॥

ः सम्पूर्णः/

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः १६ । २६३-२८७॥

- .. shrIshivarahasyam ugrAkhyaH saptamAMshaH . adhyAyaH 16 . 263-287 ..

Encoded and proofread by Ruma Dewan

Medhavikritam Mrityunjayamahadeva Stava

pdf was typeset on April 28, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*